



PESA के सुदृढीकरण पर क्षेत्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पंचायत उपबंध (अनुसूचति क्षेत्रों तक वसितार) अधिनियम (पेसा), 1996 को मज़बूत करने पर दूसरा दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन राँची में आयोजित किया गया था।

मुख्य बटु:

- पंचायती राज मंत्रालय के सचिव वविक भारद्वाज ने समापन सत्र को संबोधति किया और पीएम-जन मन योजना जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन को प्राथमकता देने की सरकार की प्रतबिद्धता पर ज़ोर दिया।
- PESA के कार्यान्वयन को मज़बूत बनाने और PESA क्षेत्रों में वन अधिकार अधिनियम, 2006** को लागू करने में गैर-सरकारी हतिधारकों की भूमिका पर चर्चा क्षेत्रीय सम्मेलन के समापन दविस की मुख्य वशिषताएँ थीं, ताकि प्रतभागियों के बीच ज्ञान साझा करने में सहायता की जा सके, PESA के उद्देश्यों को हासलि करने की दशिा में प्रतबिद्धता को बढ़ावा दिया जा सके।
- पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजति** सम्मेलन पंचायत (अनुसूचति क्षेत्रों तक वसितार) अधिनियम, 1996, जसै सामान्यतः PESA अधिनियम के नाम से जाना जाता है, के प्रावधानों को मज़बूत करने और प्रभावी कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रति करते हुए संपन्न हुआ।
- क्षेत्रीय सम्मेलन ने PESA के सफल और लक्षति कार्यान्वयन की दशिा में महत्त्वपूर्ण गति प्राप्त की तथा सभी प्रतभागियों की सक्रयि भागीदारी एवं व्यावहारकि योगदान के साथ अपने उद्देश्यों को प्राप्त किया, जसिसे अधिनियम कार्यान्वयन में आगे की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- भाग लेने वाले **पाँच राज्यों अर्थात आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखंड, ओडशिा और तेलंगाना** के प्रतभागियों ने अपने सामूहकि प्रयासों के परिणामस्वरूप ज़मीनी सत्र पर सकारात्मक बदलाव की उम्मीद करते हुए, उत्साह तथा आशा से भरे समापन सत्र को छोड़ दिया।
- राँची में क्षेत्रीय सम्मेलन PESA के सफल, परकिल्पति और प्रभावी कार्यान्वयन की गति को बनाए रखने के एक शानदार संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

पंचायत उपबंध (अनुसूचति क्षेत्रों तक वसितार) अधिनियम (पेसा), 1996

- ग्रामीण भारत में स्थानीय स्वशासन को बढ़ावा देने के लयि वर्ष 1992 में **73वाँ संवधान संशोधन** पारति किया गया था।
- इस संशोधन द्वारा **त्रसितरीय पंचायती राज संस्था** के लयि कानून बनाया गया।
- हालाँकि **अनुच्छेद 243 (M)** के तहत अनुसूचति और आदविसी क्षेत्रों में यह प्रतबिद्धति था।
- वर्ष 1995 में **भूरया समति की सफिरशिा** के बाद भारत के अनुसूचति क्षेत्रों में रहने वाले लोगों हेतु आदविसी स्वशासन सुनिश्चति करने के लयि **पेसा अधिनियम 1996** अस्तित्व में आया।
- PESA ने **ग्राम सभा को पूर्ण शक्तियों प्रदान कीं**, जबकि राज्य वधानमंडल ने पंचायतों और ग्राम सभाओं के समुचति कामकाज को सुनिश्चति करने के लयि **एक सलाहकार की भूमिका दी है**।
 - ग्राम सभा को सौपी गई शक्तिको उच्च सत्र से कम नहीं किया जा सकता है और हर जगह स्वतंत्रता होगी।
- PESA को **भारत में जनजातीय कानून की रीढ** माना जाता है।
- PESA नरिणय लेने की प्रक्रयिा की पारंपरकि प्रणाली को मान्यता देता है और **लोगों के स्वशासन** के लयि खड़ा है।
- ग्राम सभाओं को नमिनलखति शक्तियों और कार्य प्रदान कयि गए हैं:
 - वसिथापति व्यक्तियों के भूमि अधगिरहण**, पुनरवास और पुनरवास में अनविरय परामर्श का अधिकार।
 - जनजातीय समुदायों की **पारंपरकि आस्था**, संस्कृति का **संरक्षण**
 - लघु वनोत्पाद** का स्वामतिव
 - स्थानीय वविादों** का समाधान
 - भूमि हस्तांतरण** की रोकथाम
 - ग्रामीण बाज़ारों का प्रबंधन
 - नशीले पदार्थों को नयितरति करना
 - साहूकारी पर नयितरण का अभ्यास
 - अनुसूचति जनजातियों से जुड़े कोई अन्य अधिकार

पीएम-जनमन योजना

- पीएम-जनमन एक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा में लाना है।
- यह योजना (केंद्रीय क्षेत्र तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के एकीकरण) जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों एवं [PVTG समुदायों](#) के सहयोग से कार्यान्वयन की जाएगी।
- यह योजना 9 संबंधित मंत्रालयों द्वारा देख-रेख किये जाने वाले 11 महत्वपूर्ण कार्यप्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो PVTG वाले गाँवों में मौजूदा योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी।
 - इसमें पीएम-आवास योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।
- इस योजना में वन उपज के व्यापार के लिये वन धन विकास केंद्रों की स्थापना, 1 लाख घरों के लिये ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली तथा सौर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था शामिल है।
- इस योजना से PVTG के साथ भेदभाव एवं उनके बहिष्कार के विधि व प्रत्यूच्छेदन रूपों का समाधान कर राष्ट्रीय एवं वैश्विक विकास में उनके अद्वितीय व मूल्यवान योगदान को मान्यता और महत्त्व देकर PVTG के जीवन की गुणवत्ता तथा कल्याण में वृद्धि होने की उम्मीद है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/regional-conference-on-strengthening-of-pesa>

